Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुस‍्चित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन

संतोष यादव

शोधार्थी, शिक्षा विभाग,

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, अम्बेडकर नगर (मह्)

डॉ. भारती भट्ट

प्रवक्ता, स्वामी विवेकानंद षिक्षा महाविद्यालय, सेंधवा, जिला बड़बानी (म.प्र.)

प्रस्तुत शोध पत्र में हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में अनुसूचित जाति के 50 छात्र व 50 छात्राओं का चयन उद्देष्यपूर्ण न्यादर्ष विधि से करके उन पर **ऊॅण्किकर्भाग्वव रज्श्री भार्ग्वके:**'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' का प्रशासन किया गया तथा प्राप्त अकों के आधार पर छात्राओं की विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर प्राथमिकता का अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द : हाईस्कूल, अनुसूचित जाति, छात्र व छात्राएं, कैरियर प्राथमिकता

शिक्षा जीवन का सम्पूर्ण शास्त्र है। शिक्षा सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति का एक सामाजिक साधन है, जिससे समाज अपने ही अस्तित्व को सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य ज्ञान पिपासा जगाने के साथ व्यक्ति को संस्कारी, विचारवान और संयमी प्राणी बनाना है। शिक्षा से व्यक्ति में आत्मनिर्भरता, आत्मिक ऊर्जा और अपने अस्तित्व का एहसास होता है। शिक्षा के इसी महत्व को स्वीकार कर पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य रखा

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

गया है। यह एक सर्वविदित सत्य है कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति, समाज आर राष्ट्र के विकास की धुरी होती है। वर्तमान में मनुष्य की आवष्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एवं समाज के नये बदलते परिवेष में सरकार ने आधुनिक षिक्षा की आवष्यकता पर अधिक बल दिया गया है इसके लिए केन्द्र में साथ–साथ राज्य सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इसमें इस बात पर अधिक बल दिया जा रहा है कि षिक्षा को इस प्रकार समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुचाया जाये जिससे उसको समाज में अपनी महत्वपूर्ण जगह के साथ–साथ अन्य योजनाओं का लाभ पहुचाया जा सके।

षिक्षा को जन–जन तक पहुँचानें एवं प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 तथा 1986 में लाई गयीं। 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा की शुरुआत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए नीति दस्तावेज में उल्लेखित किया गया कि, ''व्यावसायिक शिक्षा एक पृथक धारा होगी, जिसका उद्देश्य क्रियाकलापों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए व्यवसायों की पहचान करके विद्यार्थियों को तैयार करना है।" इन पाठ्यक्रमों को माध्यमिक स्तर के बाद उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन योजना को लचीला बनाते हुए उन्हें 8वीं के बाद भी उपलब्ध कराया जा सकता है। इस षिक्षा नीति में षिक्षा के व्यावसायीकरण पर बहुत अधिक बल दिया गया था। इसका मुख्य उद्देष्य व्यक्तिगत रोजगार में वृद्धि करना, मांग व आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना है। छात्रों को प्रषिक्षण देने, व्यावसायिक रूचियां विकसित करने और उच्च माध्यमिक स्तर पर व्यवसायोन्मुखी विषयों का चयन करने में बालकों को सहायता करना है।

यदि हम प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था का अध्ययन करें तो उस अध्ययन के उपरांत हमें यह विदित हो जाता है कि हमारे देष में प्राचीन काल से ही कैरियर चुनने के लिए व्यवस्था दी गई थी। पारिवारिक, शैक्षिक व्यवसायिक आदि समस्त क्षत्रो में कैरियर प्राथमिकता चुनने हेतु मनीषियों द्वारा जो प्रयास किये गये वे समस्त प्रयास आज भी हमारे लिए अनुकरणीय है। तात्कालिक सामाजिक व्यवस्था का विष्लेषण करने के उपरांत यह स्पष्ट हो जाता है।

यदि हम वर्तमान संदर्भ में कैरियर निर्धारण की बात करें तो वर्तमान में 'नई पीढ़ी के लिए कैरियर निर्धारण' एक ऐसा विषय है जिसके विषय में लगभग सभी घरों में, मीडिया में और केन्द्र व राज्य सरकारों की विभिन्न नीतियों में चिंतन हो रहा है। आज के युवाओं की स्थिति तो चित्रकला के ऐसे विद्यार्थी के समान है, जो अपने पहले ही प्रयास में कई तरह की रेखाएँ उकेर देता है किंतु योग्य षिक्षक के सानिध्य के बगैर वह यह बात नही जान पाता है कि इस चित्र में कौन सी रेखा को गहरी करने पर ही मनचाही आकृ

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

ति उभरेगी। आज यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कैरियर से जुड़े तीनों पक्ष–विद्यार्थी, षिक्षक तथा अभिभावक कैरियर संबंधी सूचनाओं व भविष्य निर्धारण संबंधी रास्ते से बहुधा अनभिज्ञ हैं। औद्योगिकीकरण एवं वैष्वीकरण के इस दौर में षिक्षा व्यवस्था का पूरा परिदृष्य बदल गया है। स्नातक और परास्नातक की डिग्री की रोजगार की दृष्टि से अब बहुत कम उपयोगिता है। आज के समय में व्यावसायिक कोर्स और बाजार की आवष्यकता से संबंधित कोर्स ही ज्यादा कैरियर की ऊँचाई दे पाते है, परंतु विडंबना यह है कि हमारे देष में कैरियर की नई दिषाओं और षिक्षा के नए परिदृष्य से अनभिज्ञता के कारण बहुत से छात्र–छात्राएं उच्च योग्यता तथा प्रतिभा होने के बाद भी सर्वोत्तम कैरियर चुनने से वंचित रह जाते हैं। आज कैरियर की विभिन्न दिषाओं के बारे में जानकारियां व मार्गदर्षन विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को होना चाहिए। अतः वर्तमान समय के विद्याार्थियों का उचित मार्गदर्शन करने की बहुत अधिक आवश्यकता है जिससे कि वह अपने लिए सही व्यवसाय का चुनाव कर सकें। इसी कारण से प्रस्तुत शोध का उद्देश्य हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के प्रति दृष्टिकोण जानना एवं उनकी कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

प्रस्तुत अनुसंधान से संबंधित कुछ शोध कार्य पूर्व में भी किये गये हैं जैसे – **मोहपात्रा (2004)** ने अपने अध्ययन में पाया कि व्यापार के क्षेत्र में छात्र व छात्राओं की रूचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। व्यवसायिक आकांक्षा एवं व्यवसायिक रूचि के सभी 10 क्षेत्रों के मध्य साथक संबंध पाया गया। व्यवसायिक रूचि के सभी 10 क्षेत्रों एवं विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध पाया गया। **विकास, वरूण (2008)** ने अपने अध्ययन के निष्कषर्तः पाया कि स्नातक स्तर पर लिंग एवं व्यवसायिक शिक्षा के आधार विद्यालयों के आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ने अपने अध्ययन के निष्कषर्तः पाया कि लड़के एवं लड़कियों की व्यावसायिक रूचियों में भिन्नता पाई जाती है। शिक्षित परिवार के लड़के–लड़कियों की व्यवसायिक रूचियां लगभग समान पाई गई। निम्न आर्थिक स्तर वाले परिवारों में लड़कों की स्थिति लड़कियों से अधिक उच्च पाई गई परिणाम स्वरूप लड़कों को अधिक अधिकार और अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त थी। **बेगम, परवीन (2014)** ने अपने अध्ययन में पाया कि अलीगढ़ शहर के छात्र व छात्राओं की व्यावसायिक रुचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **कौर, एस. (2015)** ने अपने अध्ययन के निष्कषर्तः पाया कि किशोरावस्था के विद्यार्थियों की कैरियर पसंद उनके लिंग तथा बुद्धि से प्रभावित पाई गई। **नदीम एवं अहमद (2016)** ने अपने अध्ययन में पाया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की सर्वाधिक कैरियर पसंद शिक्षा, 'विज्ञान एवं तकनीकी', 'वाणिज्य एवं प्रबंध' तथा 'कानून एवं व्यवस्था' क्षेत्र में पाई गई जबकि उच्चतर माध्यामिक स्तर की छात्राओं की सर्वाधिक पसंद शिक्षा,

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

'विज्ञान एवं तकनीकि', 'चिकित्सा' तथा 'कला एवं प्रारूप' क्षेत्र में पाई गई। **शर्मा, करूणा (2016)** ने अपने अध्ययन में पाया कि हाईस्कूल में अध्ययनरत किशोरावस्था के छात्र व छात्राओं के मध्य व्यावसायिक रूचि के साहित्यिक, वैज्ञानिक, प्रषासनिक, वाणिज्यिक, रचनात्मक, प्रभुत्वशाली क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि हाईस्कूल में अध्ययनरत किशोरावस्था के छात्र व छात्राओं के मध्य व्यावसायिक रूचि के कला, कृषि, सामाजिक, गृह संबंधी क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया तथा कला, सामाजिक, गृहसंबंधी क्षेत्रों में छात्राओं की रुचि, छात्रों की अपेक्षा उच्च पाई गई जबकि कृषि क्षेत्र में छात्रों की रूचि, छात्राओं की अपेक्षा उच्च पाई गई। **सिंह (2018)** ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्र व छात्राओं के मध्य व्यावसायिक रूचि के संगीत, मैकेनिकल, व्यापार, कृषि, शिक्षण, खेल, सामाजिक, प्रशासनिक, वैज्ञानिक, 'भ्रमण संबंधी कार्य' क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया। **कुमार, सौरभ एवं शर्मा, प्रीति (2022)** ने अपने अध्ययन में पाया कि माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के 'दूरसंचार व पत्रकारिता', 'कला व प्रारूप', 'वाणिज्य व प्रबंध' 'चिकित्सा', 'रक्षा' तथा 'शिक्षा' क्षेत्रों में पसंद में सार्थक अंतर पाया गया तथा कैरियर प्राथमिकता के 'दूरसंचार व पत्रकारिता', 'वाणिज्य व प्रबंध' तथा 'रक्षा' क्षेत्रों में छात्रों की पसंद, छात्राओं की तुलना में अधिक पाई गयी जबकि कैरियर प्राथमिकता के 'कला व प्रारूप', 'चिकित्सा' तथा 'शिक्षा' क्षेत्रों में छात्राओं की पसंद, छात्रों की तुलना में अधिक पाई गयी। कैरियर प्राथमिकता के 'विज्ञान व तकनीकी', 'कृषि', 'पर्यटन व सत्कार उद्योग' तथा 'कानून व व्यवस्था' क्षेत्रों में माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

उद्देश्य :–

हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

हाईस्कूल में अध्ययनरत अनसचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपकरण :–

कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड (C.P.R.) – डॉ. विक्रम भार्गव व राजश्री भार्गव

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

विधि :–

पस्तुत शोध कार्य हेतु नर्मदापुरम (होषंगाबाद) जिले के होषंगाबाद ब्लॉक में स्थित हाईस्कूलों की कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति के 100 विद्यार्थियों (50 छात्र व 50 छात्राओंद्ध का चयन उद्देष्यपूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा कर उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' का प्रशासन किया गया तथा कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन करने हेतु मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा संकलित आँकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष ज्ञात किये गये।

परिणामों का विश्लेषण :–

परिकल्पना : हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

तालिका

हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुस्चित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता संबंधी तुलनात्मक परिणाम

कैरियर प्राथमिकता के क्षेत्र	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता स्तर
दूरसंचार व पत्रकारिता	छात्र	50	8.08	3.58	2.35	0.05 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	9.72	3.41		
कला व प्रारूप	छात्र	50	9.92	3.42	0.51	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्राएं	50	10.24	2.87		
विज्ञान व तकनीकी	छात्र	50	11.04	3.23	3.48	0.01 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	8.94	2.79		
कृषि	छात्र	50	9.48	2.86	2.68	0.01 स्तर पर

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18Issue 10, Oct 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

	छात्राएं	50	7.94	2.89		सार्थक
वाणिज्य व प्रबंध	छात्र	50	7.38	3.60	1.34	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्राएं	50	8.44	4.30		
चिकित्सा	छात्र	50	9.26	3.68	2.17	0.05 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	10.76	3.23		
रक्षा	छात्र	50	8.06	3.73	0.19	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्राएं	50	8.20	3.67		
पर्यटन व सत्कार उद्योग	छात्र	50	8.30	3.34	1.51	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्राएं	50	9.32	3.39		
कानून व व्यवस्था	छात्र	50	9.36	4.02	0.56	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्राएं	50	8.92	3.83		
शिक्षा	छात्र	50	7.74	3.83	2.78	0.01 स्तर पर सार्थक
	छात्राएं	50	9.76	3.44		

स्वतंत्रता के अंश – 98 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98

0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.63

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों के मध्यमानों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 2.35, 3.48, 2.68, 2.17, 2.78 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05, 0.01, 0.01, 0.05, 0. 01 स्तर क लिये निधारित न्यूनतम मान क्रमषः 1.98, 2.63, 2.63, 1.98, 2.63 से अधिक हैं जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों के मध्यमानों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इन क्षेत्रों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 0.51, 1.34, 0.19, 1.51, 0.56 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05 स्तर क लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 से कम हैं।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया तथा अनुसूचित जाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति के छात्रों की तुलना में उच्च पाई गयी जबकि अनुसूचित जाति के छात्रों की कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, कृषि क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी। अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों के लिए पूर्व निर्धारित परिकल्पना ''हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा'' अस्वीकृत जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों के लिए उपरोक्त परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

हाईस्कूल में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया तथा अनुसूचित जाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति के छात्रों की तुलना में उच्च पाई गयी जबकि अनुसूचित जाति के छात्रों की कैरियर प्राथमिकता के विज्ञान व तकनीकी, कृषि क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी। अनुसूचित जाति के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, वाणिज्य व प्रबंध, रक्षा, पर्यटन व सत्कार उद्योग, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

// संदर्भ ग्रंथ सूची //

1. भाटिया, के.के. (2006) : **मार्गदर्शन तथा परामर्श के सिद्धांत,** कल्याणी पब्लिशर्ज, नई दिल्ली
2. भटनागर, आर.पी. (2001) : **गाइडेन्स एण्ड काउंसलिंग इन एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजी,** आर. लाल बुक डिपा, मेरठ
3. दवे, इंदु एवं फाटक, अरविंद (1994) : **निर्देशन के मूल तत्व,** राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. दुबे, रमाकान्त (2007) : **शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन के मूल सिद्धांत,** राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
5. जायसवाल, सीताराम (2005) : **शिक्षा में निर्देशन और परामर्श,** विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. गुप्ता, एस. पी. (2005) : **सांख्कीय विधियां,** शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
7. **कुमार, सौरभ एवं शर्मा, प्रीति (2022)** ''माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन'', *Jyortived Prasthanam, Volume 11(3), July-August 2022, Page No. 181-183*
8. **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ''उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन'', *अप्रकाशित लघुशोध प्रबंध, षिक्षा संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)*
9. **Begum, Parveen (2014)** " Effect of Achievement Motivation on Vocational Interests of Secondary School Students of Aligarh City", *Exellence International Journal of Education and Research, Volume 2, Issue 9, September 2014, Page No. 244-253*
10. Bhargava, Vivek and Bhargava, Rajshree (2001) : **Manual of Career Preference Record (CPR),** *Har Prasad Institute of Behaviourial studies, Agra.*
11. **Kaur, S. (2015)** "Career choice conflicts of adolscents in relation to gender and intelligence", *Scholary Research Journal for Humanity Science and English Language, Volume 2(4), 2015, Page No. 1071-1081*
12. **Mohapatra, Manjula Manjari (2004) "**Prediction of vacational interests of +2 students in relation to their values, Occupational Aspiration level and academic achievements", Asian journal of psychology and education, vol. 37, No.1-2, Pg. No. 22-24

13. **Nadeem & Ahmed (2016)** " A comparative study career preference of male amd female higher secondary students"*, International Joaurnal of Scientific Research and Education, Volume 4(2), 2016, Page No. 4973-4982*

14. **Sharma, Karuna (2016)** "Vocational Interest Regarding Career Awareness among Adolescent Boys and Girls of Rohtak city: Haryana (India)" *International Research Journal of Management, IT & Social Science, Volume 3, Number 3, March 2016, Page No. 16-21*

15. **Singh, M. (2018)** "Assessment of Vocational Interests of Pahadi & Bakarwal school students In relation to their gender"*, International Joaurnal of Recent Scientific Research, Volume 9(3C),2018, Page No. 24817-24819*